नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

वर्धा संस्कार, वर्धा लेखक संघ की ओर से
हिंदी विश्वविद्यालय में बहुभाषा कवि सम्मेलन

वर्धा दि. 13 फरवरी 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक प्रकोष्ठ वर्धा संस्कार और नागार्जुन सराय के संयुक्त तत्वावधान में बसंत पंचमी पर गीत-संगीत, कविता,

कहानी और मंचन का उत्सव 'बगरयो बसंत है' के अंतर्गत शुक्रवार को वर्धा लेखक संघ की ओर से बहुभाषा कवि सम्मेलन में विभिन्न भाषा-भाषी कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन के प्रारंभ में रोशन कुमार ने तबला वादन प्रस्तुत किया। इसके बाद गौरीशंकर ठाकुर और शास्त्रीय गायक मंगेश भुरसे ने बसंत पर शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया।

उनके साथ तबले पर प्राध्यापक जीवन बांगड़े ने तथा हार्मोनियम पर प्राध्यापक गुणवंत सावरकर ने संगत की। उनके गायन के बाद इस वर्धा लेखक संघ के सहयोग से आयोजित बहुभाषा कवि सम्मेलन में मराठी भाषा के सुविख्यात कवि, गज़ल लेखक संजय इंगले तिगांवकर, कवि एवं पत्रकार प्राध्यापक राजेंद्र मुंडे, कवि नरेंद्र डेबे, मंजुशा चौगांवकर ने मराठी में कविताएं प्रस्तुत की। इस कवि सम्मेलन में हिंदी, उर्दू, तमिल, तेलुगु, ओडिया आदि भाषाओं में कवियों ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की। नागपुर के कवि बसंत त्रिपाठी, अनुवाद अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी,

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी कवि नितीश भारद्वाज, कुमार गौरव, मेघा आचार्य, कृष्ण मोहन, प्रदीप

त्रिपाठी, वैभव, विनय यादव और नेहा नेमा आदि कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन का संचालन संजीव कुमार झा ने किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, अतिथि लेखक कथाकार चित्रा मुदगल, रमेश दवे, अजीत दलाल, वर्धा संस्कार के संयोजक राकेश श्रीमाल, राकेश मिश्र आदि सहित अध्यापक, अधिकारी एवं विद्यार्थी प्रमुखता से

उपस्थित थे। बगरयों बसंत है का आयोजन 10 से 12 फरवरी के दौरान किया गया।

वर्धा संस्कार, वर्धा लेखक संघ की ओर से
हिंदी विश्वविद्यालय में बहुभाषा कवि सम्मेलन

वर्धा दि. 13 फरवरी 2016: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील सांस्कृतिक प्रकोष्ठ वर्धा संस्कार आणि वर्धा लेखक संघ यांच्या वतीने 'बगरयो बसंत है' या उत्सवा अंतर्गत शुक्रवारी बहुभाषा कवि सम्मेलनात विविध भाषा-भाषी कविंनी अपल्या कविता सादर केल्या. कवि सम्मेलनाआधी रोशन कुमार या विद्यार्थ्याने तबला वादन सादर केले. यानंतर गौरीशंकर ठाकुर आणि

शास्त्रीय गायक मंगेश भुरसे या विद्यार्थ्यांनी वसंतवर शास्त्रीय गायन सादर केले.

त्यांच्या सोबत तबल्यावर प्राध्यापक जीवन बांगडे यांनी तर हार्मोनियमवर प्राध्यापक गुणवंत सावरकर यांनी सोबत केली. यानंतर वर्धा लेखक संघ यांच्या सहयोगाने आयोजित बहुभाषा कवि सम्मेलनात मराठी भाषेचे सुविख्यात कवि, गज़ल लेखक संजय इंगळे तिगावकर, कवि आणि पत्रकार प्राध्यापक राजेंद्र मुंडे, कवि नरेंद्र डेबे, संजय ओरके, मंजुशा चौगांवकर यांनी मराठीतून कविता सादर केल्या. कवि सम्मेलनात हिंदी, उर्दू, तमिल, तेलुगु, ओडिया इत्यादी भाषांमधून कविंनी आपल्या रचना सादर केल्या. अनुवाद अध्ययन विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, नागपूरचे कवि वसंत त्रिपाठी यांच्या सह विश्वविद्यालयातील विद्यार्थी कवि नितीश भारद्वाज, कुमार गौरव, मेघा आचार्य, कृष्ण मोहन, प्रदीप त्रिपाठी, वैभव, विनय यादव आणि नेहा नेमा इत्यादी कविंनी आपल्या कविता सादर केल्या. कवि संमेलनाचे संचालन कवि संजीव कुमार झा यांनी केले. कार्यक्रमाला कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, अतिथि लेखक कथाकार चित्रा मुदगल, रमेश दवे, अजीत दलाल, वर्धा संस्कारचे संयोजक राकेश श्रीमाल, राकेश मिश्र, बी. एस. मिरगे, राजदीप राठोड यांच्यासह अध्यापक, अधिकारी आणि विद्यार्थी मोठया संख्येने हजर होते. बगरयों बसंत है या उत्सवाचे आयोजन 10 ते 12 फेब्रुवारी दरम्यान करण्यात आले.